विधान सभा सचिवालय
मध्यप्रदेश
समाचार

मध्यप्रदेश विधान सभा की समिति करेगी कोटा स्थित कोचिंग संस्थानों का अध्ययन दौरा

भोपाल : 13 जून, 2016

प्रदेश में छात्र-छात्राओं द्वारा की जा रही आत्महत्या की घटनाओं को रोकने संबंधी उपाय सुझाने के लिए गठित विधान सभा की समिति राजस्थान के कोटा नगर स्थित कोचिंग संस्थानों का दिनांक 14 एवं 15 जून, 2016 को अध्ययन दौरा करेगी.

उल्लेखनीय है कि कोटा स्थित कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों द्वारा विगत वर्षो से आत्महत्याओं की घटनाओं में घातक और असहज रूप से हुई वृद्धि ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है. इसी स्थिति के मददे नजर गठित की गई समिति की सभापति श्रीमती अर्चना चिटनीस की पहल पर समिति कोटा स्थित कोचिग संस्थानों का भ्रमण कर स्थानीय कोचिंग संस्थानों के संचालक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य संबद्ध नागरिकों से विचार-विमर्श करेगी. समिति यह भी अध्ययन करेगी कि मध्यप्रदेश के कितने छात्र-छात्राऐं विगत वर्षो से कोटा के कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत हैं एवं कितने छात्रों ने आत्महत्या की एवं इसके क्या कारण रहे हैं.

ज्ञातव्य हो कि विधान सभा के विगत सत्र में प्रदेश में छात्रों द्वारा आत्मघात की बढ़ती घटनाओं के संबंध में हुई चर्चा के परिप्रेक्ष्य में विधान सभा की 11 सदस्यीय समिति का गठन 11 मार्च, 2016 को किया गया था, जिसकी सभापति श्रीमती अर्चना चिटनीस तथा सदस्यगण सर्वश्री बालाबच्चन, महेन्द्र सिंह कालूखेडा, रामनिवास रावत, केदारनाथ शुक्ल, मुकेश नायक, विश्वास सांरग, शैलेन्द्र जैन, ठाकुरदास नागवंशी, पुष्पेन्द्रनाथ पाठक तथा श्रीमती शीला त्यागी बनाये गये थे. समिति में उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री दीपक जोशी पदेन सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं जबकि विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भगवानदेव ईसरानी समिति के पदेन सचिव हैं.

समिति के निर्णयानुसार विभिन्न राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार-पत्रों में विज्ञप्ति प्रकाशित की जाकर विषय-विशेषज्ञों एवं जन-सामान्य से छात्रों में आत्मघात की घटनाओं को रोकने संबंधी सुझाव भी मंगाये गये. प्राप्त सुझावों का समिति द्वारा अध्ययन किया गया. साथ ही सर्वसंबंधितों को प्रत्यक्ष रूप से इस विषय पर विचार-विमर्श एवं उनका पक्ष सुनने के लिए भी विधान सभा में आमंत्रित किया गया. समिति द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, मनो-वैज्ञानिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं प्रबुद्धजनों को भी प्रत्यक्ष रूप से सुना गया. समिति द्वारा गृह विभाग से विगत पांच वर्ष के दौरान मध्यप्रदेश में छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं की संख्या संबंधी जानकारी भी प्राप्त की गई, साथ ही स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग से भी आनुषंगिक विषय पर प्रश्नावली के माध्यम से तथ्यगत जानकारी प्राप्त की गई. समिति ने उक्त विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर संस्थान एवं व्यावहारिक सुझाव उपलब्ध कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया.

समिति कोटा स्थित कोचिंग संस्थानों में आत्मघात की घटनाओं के कारणों एवं सुझावों के संबंध में विस्तृत अध्ययन कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी. समिति के अध्ययन दौरे में सदस्यों के अतिरिक्त विधान सभा के अधिकारीगण भी सम्मिलित होंगे.

वि.स./ज.स./2016

(मुकेश मिश्रा)
सूचना अधिकारी